आचार्य पद्मनन्दि द्वितीय

जीवन-परिचय : आचार्य पद्मनन्दि द्वितीय मूलसंघ देशीयगण के विद्वान थे। इनके गुरु वीरनन्दि थे। आचार्य पद्मनन्दि का इससे अधिक परिचय ग्रन्थों में नहीं मिलता है।

आचार्य पद्मनन्दि द्वितीय का समय ई. सन् की 11वीं शती है।

रचना-परिचय : आचार्य पद्मनन्दि द्वितीय के द्वारा रचित लोकप्रिय रचना 'पद्मनन्दि पञ्चविंशति' है—

1. पद्मनन्दि पञ्चविंशति : यह ग्रन्थ महत्त्वपूर्ण है। इस ग्रन्थ पर संस्कृत-कन्नड़ टीकाएँ भी लिखी गई हैं। इस ग्रन्थ में 26 लघु कृतियों का संकलन किया गया है। अनेक विषयों का वर्णन होने से यह ग्रन्थ महत्त्वपूर्ण है।